

# न्याय के दिन की घटनाएं (3 का भाग 1): दिन शुरू होगा

**विवरण:** न्याय का दिन कब और कैसे शुरू होगा।

द्वारा Aisha Stacey (© 2014 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ 08 Nov 2022 - अंतिम बार संशोधित 07 Nov 2022

श्रेणी: पाठ > [इस्लामी मान्यताएं](#) > [परलोक](#)

## उद्देश्य

- न्याय के दिन की घटनाओं के क्रम को जानना और उनके महत्व को समझना।

## अरबी शब्द

- [\[?\]\[?\]\[?\]](#) - (बहुवचन - हदीसें) यह एक जानकारी या कहानी का एक टुकड़ा है। इस्लाम में यह पैगंबर मुहम्मद और उनके साथियों के कथनों और कार्यों का एक वर्णनात्मक रिकॉर्ड है।
- [\[?\]\[?\]\[?\]](#) - नमाज़ की इकाई।

इससे पहले कि हम अल्लाह द्वारा बताये गए न्याय के दिन घटित होने वाली उन घटनाओं के बारे में जाने, हमें अपने आप से पूछना चाहिए कि वह दिन कब आएगा। और हम यह सवाल पूछने वाली पहली पीढ़ी नहीं हैं। पैगंबर मुहम्मद से कई लोगों ने कई बार पूछा था कि यह दिन कब आएगा। हालांकि अब भले ही हमने सभी प्रकार के ज्ञान, विशेष रूप से टेक्नोलॉजी और विज्ञान में उल्लेखनीय प्रगति की है, इसका उत्तर अभी भी वही है। सिर्फ अल्लाह ही जानता है कि न्याय का दिन कब आएगा। जब स्वर्गदूत जibreel एक व्यक्ति के रूप में पैगंबर के पास आये, तो उन्होंने न्याय के दिन की शुरुआत के बारे में प्रश्न किया। पैगंबर मुहम्मद ने उत्तर दिया, "जसिने सवाल पूछा है, इसके बारे में वही बेहतर जानता है।"



"प्रश्न करते हैं आपसे लोग प्रलय के वषिय में। तो आप कह दें कि उसका ज्ञान तो अल्लाह ही को है। संभव है कि प्रलय समीप हो।" (कुरआन 33:63)

"निश्चय प्रलय आने वाली है, मैं उसे गुप्त रखना चाहता हूं..." (कुरआन 20:15)

अल्लाह ने न्याय के दिन को हम से छुपाया है। इस छंद से हमें यह संकेत मिलता है कि यह भव्य दिन एक महत्वपूर्ण अवसर से कम नहीं है। हालांकि हम नहीं जानते कि न्याय का दिन कब आएगा, अल्लाह और उसके दूत मुहम्मद (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने वसितार से वर्णन किया है कि उस दिन क्या होगा। इसमें और अगले दो पाठों में हम न्याय के दिन की घटनाओं का वर्णन करेंगे जैसा कि कुरआन और प्रामाणिक हदीस वर्णित है।

## तुरही फूंकना

न्याय का दिन मानवजाति पर अचानक आएगा। इससे कोई मतलब नहीं है कि इससे पहले आने वाले संकेतों के बारे में कोई कतिनी अच्छी तरह से जानता है, इसकी शुरुआत एक झटके से होगी। तुरही फूँकी जाएगी और लोगों को इतनी भयानक आवाज सुनाई देगी कि पहाड़ और पृथ्वी खुद ही धूल में मलि जाएंगे।

"फरि जब फूँक दी जायेगी तुरही में एक फूँक। और उठाया जायेगा धरती तथा पर्वतों को, तो दोनों चूर-चूर कर दिये जायेगे एक ही बार में। तो उसी दिन होनी हो जायेगी।" (कुरआन 69:13-15)

अल्लाह कहता है कि यह एक ही फूँक होगी, एक लंबी नरंतर आवाज जो तब तक नहीं रुकेगी जब तक कि सब कुछ नष्ट न हो जाए (कुरआन 38:15)। इसके बाद दूसरा तुरही फूँकी जाएगी। अल्लाह कहता है कि हर कोई जो कभी जीवति था, वह खुद को खड़ा, घूरता हुआ और इन घटनाओं से स्तब्ध जाएगा।

"तथा तुरही फूँका जायेगा, तो नश्चित होकर गरि जायेगे, जो आकाशों तथा धरती में है। परन्तु जसि अल्लाह चाहे, फरि उसे पुनः फूँका जायेगा, तो सहसा सब खडे देख रहे होंगे।" (कुरआन 39:68)

## स्थिति

तुरही फूँकी जाएगी, पृथ्वी धूल में मलि जाएगी और मरे हुए जी उठेंगे। हड्डियां और शरीर के अंग आपस में जुड़ जायेगे, दमिग काम करने लगेगा। वास्तव में मानवजाति अल्लाह की ओर लौटेगी। सभी मानवजाति मर चुकी होगी, वे जो तुरही बजने से पहले मरे थे और वे जो पृथ्वी को समतल करने वाली प्रलयकारी घटना में मरे थे। न्याय का दिन शुरू होगा। लोग समूहों में खडे होकर आगे देखेंगे।

"प्रत्येक प्राणी मौत का स्वाद चखने वाला है, फरि तुम हमारी ही ओर फेरे जाओगे।" (कुरआन 29:57)

"क्या मनुष्य समझता है कि हम एकत्र नहीं कर सकेंगे दोबारा उसकी अस्थियों को? क्यों नहीं? हम सामर्थवान है इस बात पर कि सीधी कर दें, उसकी उंगलियों की पोर-पोर।" (कुरआन 75:3-4)

एक बार जब दोबारा जीवति होने का प्रारंभिक आघात कम होने लगेगा, तो स्थिति की वास्तविकता सामने आने लगेगी। भौतिक दुनिया का पर्दा हटा दिया जायेगा। हमने जो कर्म कए थे वे हमें दिखाया जायेगा। "तो जसिने एक कण के बराबर भी पुण्य कया होगा, उसे देख लेगा। और जसिने एक कण के बराबर भी बुरा कया होगा, उसे देख लेगा" (कुरआन 99:7-8)। अल्लाह का एक और वादा पूरा हो जायेगा। कुछ लोग अपनी स्थिति से खुश होंगे, तो कुछ लोग डर से कांपने लगेगे।

व्यक्ति के कर्म उसकी स्थिति की लंबाई निर्धारित करेंगे लेकिन प्रतीक्षा करने वाले सभी लोग नंगे पांव, नग्न और खतनारहित होंगे। हदीस हमें बताती है कि डर और घबराहट में यह खड़ा होना 50,000 साल तक का हो सकता है, लेकिन एक धर्मी व्यक्ति के लिए यह समय उतना ही होगा जतिना कि दो रकात नमाज पढ़ने में लगता है। इंतजार कर रहे लोग डर जाएंगे, उनके दिल उनके सीने और कानों में ढोल की तरह धड़क रहे होंगे। वे ऐसे भागेंगे मानो नशे की हालत में हों और अपने सविा किसी और की परवाह न करेंगे। लोग माता-पति, जीवनसाथी और बच्चों को भूल जायेगे। डर के मारे वे अपनी स्थिति पर सवाल उठाने लगेगे।

"वह कहेगा: मेरे पालनहार! मुझे अन्धा क्यों उठाया, मैं तो (संसार में) आंखो वाला था? अल्लाह कहेगा: इसी प्रकार, तैरे पास हमारी आयते आयीं, तो तूने उन्हें भुला दिया। अतः इसी प्रकार, आज तू भुला दिया जायेगा।" (कुरआन 20:125-126)

पैगंबर मुहम्मद ने हमें बताया है कि प्रलय के दिन सूर्य को मानवजाति के नजदीक लाया जाएगा। सूरज केवल एक मील दूर होगा और लोगों को उनके कर्मों के स्तर के अनुसार पसीना आएगा [2]। कुछ लोगों

को डरने की जरूरत नहीं होगी, उन्हें अल्लाह छाया में रखेगा। उस दिन जब कहीं छाया नहीं होगी, सिर्फ सात प्रकार के लोगों के लिए उस दिन छाया की जाएगी। वे हैं, एक न्यायप्रिय सरदार, वह व्यक्ति जिसका दिल मस्जिद से जुड़ा हुआ था, वह व्यक्ति जो अल्लाह की आज्ञा मानने के लिए उठाया गया है, दो लोग जो एक दूसरे से केवल अल्लाह के लिए प्यार करते थे, वह व्यक्ति जो अल्लाह को यद् करता था और रोता था, वह व्यक्ति जिसने गुप्त रूप से दान दिया और वह व्यक्ति जो विपरीत लिंग के साथ पाप करने के लिए प्रलोभित था, लेकिन उसने यह कहते हुए विरोध किया कि वे अल्लाह से डरता है।<sup>[3]</sup>

लोग खड़े होंगे, वहां एक बड़े खुले सतह पर, और वे कहेंगे। "हमारा न्याय करने के लिए अल्लाह कहां है?"

---

फुटनोट:

[1] [?][?][?] [?][?][?][?]

[2] [?][?][?][?] [?][?][?][?][?][?]

[3] [?][?][?][?] [?][?][?][?][?][?], [?][?][?] [?][?][?][?][?][?]

इस लेख का वेब पता:

<http://www.newmuslims.com/hi/lessons/241>

कॉपीराइट © 2011-2022 [NewMuslims.com](http://www.NewMuslims.com). सर्वाधिकार सुरक्षित।

ajsultan